चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : प्रथम

कोर्स-कोड : HIN-AEC-1

कोर्स का नाम : हिन्दी काव्य-धारा (रीतिकाल तक)

कोर्स-लेवल : 100-199

कुल अंक : 50

बाह्य परीक्षण : 40

आंतरिक परीक्षण : 10

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	(क) आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन हिन्दी काव्यधारा का सामान्य परिचय (ख) *हिन्दी काव्य सुधा* – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि. निर्धारित पाठ : **पदावली– 1, 6 (विद्यापति), साखी– 1-10 (कबीरदास), भ्रमरगीत (सूरदास), पद– 1, 2, 3 (मीराँबाई)**	15	25 (20+5)
2	1	*हिन्दी काव्य सुधा* – पाब्लिकेशन डिपार्टमेंट, गौ.वि. निर्धारित पाठ : **केवट प्रसंग (तुलसीदास), दोहे– 1-10 (बिहारीलाल), कवित्त– 1, 2, 3 (भूषण), कवित्त– 1, 2, 3 (घनानन्द)**	15	25 (20+5)

द्रष्टव्य : *इकाई 1 (क) से केवल अतिलघु एवं लघु-उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।*

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास* – राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2. *हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास* – बाबू गुलाबराय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।
3. *हिन्दी साहित्य : एक परिचय* – डॉ॰ त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. *विद्यापति* – डॉ॰ आनन्द प्रकाश दीक्षित (संपा॰), साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर।